कोटद्वार, गुरूवार
9 नवम्बर 2023
वर्षः 45
अंकः 191 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00
RNI-35469/79

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2021-23 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

महाराज ने दी प्रदेश वासियों को राज्य स्थापना दिवस की शुभकामनाएं

देहरादून : प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने पृथक राज्य आंदोलन में मुख्य भूमिका निभाने वाले राज्य आंदोलनकारियों के योगदान और इस दौरान शहीद हुए आंदोलनकारियों को नमन करते हुए समस्त प्रदेशवासियों को राज्य स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी हैं। कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि कई वर्षों के लम्बे संघर्ष के बाद 9 नवम्बर 2000 को उत्तराखंड को 27वें राज्य के रूप में भारत गणराज्य में शामिल किया गया था। हमारा राज्य संस्कृति, जातीयता और धर्म का समामेलन होने के साथ-साथ भारत के सबसे पसंदीदा पर्यटन स्थलों में से एक है। उत्तराखंड वासियों को हमेशा प्रेम, सौहार्द, प्राकृतिक सौंदर्य और समृद्ध सांस्कृतिक के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा कि राज्य स्थापना दिवस के मौके पर हम सभी उत्तराखंड राज्य आंदोलन के वीर शहीदों को नमन करते हुए उत्तराखंड की मूल भावना के अनुरूप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर इस दशक को उत्तराखंड का दशक बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।

जम्मू–कश्मीर: टैरर फंडिंग मामले में एसआईए की दिल्ली और कश्मीर में छापेमारी

श्रीनगर , एजेंसी। जम्मू–कश्मीर पुलिस की राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) कथित आतंकवादी वित्त पोषण मामले में बुधवार को कश्मीर और नई दिल्ली में छापेमारी कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि एसआईए के अधिकारियों द्वारा नई दिल्ली और केंद्र शासित प्रदेश के श्रीनगर, अनंतनाग तथा पुलवामा जिलों में छापेमारी और तलाशी ली जा रही है। उन्होंने कहा, "आतंकवादी वित्त पोषण मामले में कुछ बड़े नाम रडार पर हैं।"

राष्ट्रपति ने दीक्षार्थियों को दी तीन सलाह, सच्चाई, ईमानदारी और निष्पक्षता को रखें याद

जयन्त प्रतिनिधि।

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय में 11वाँ दीक्षांत समारोह 'सशक्त महिला, समृद्ध राष्ट्र' थीम के साथ धूमधाम से मनाया गया। विश्वविद्यालय द्वारा दीक्षांत समारोह में 59 स्वर्ण पदक, 1182 स्नातकोत्तर डिग्रियां और 98 पीएचडी डिग्रियां प्रदान की गई।

विश्वश्वविद्यालय के स्वामी मनमथन प्रेक्षागृह, चौरास में देश की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु, राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि), मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, कुलाधिपति डॉ. योगेन्द्र नारायण, कुलपति प्रो अन्नपूर्णा नौटियाल ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले दीक्षार्थियों को माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु ने गोल्ड मेडल दिए। उन्होंने दीक्षार्थियों को जीवन में तीन बातों को याद रखने की सलाह देते हुए कहा कि वे अपनी जड़ों को न भूलें, सच्चाई, ईमानदारी और निष्पक्षता जैसे नैतिक मूल्यों से कभी समझौता न करें और अर्जित शिक्षा के बल पर समाज के विकास में योगदान देते हुए विकास से वंचित लोगों की मद्द करें। उन्होंने कहा कि उतराखंड कई वीरों, साहित्यकारों, राजनीतिज्ञों की भूमि है, इस भूमि ने सुमित्रा नंदन पंत, मनोहर श्याम जोशी, शिवानी, हिमांशु जोशी जैसे साहित्यकारों और डॉ. भक्त दर्शन, प. गोविन्द बल्लभ पंत, हेमवती नंदन बहुगुणा, योगी आदित्यनाथ जैसी प्रतिभाओं की जन्म दिया है।

उन्होंने कहा कि पर्यावरण के क्षेत्र में जिस भूमि से चिपको आन्दोलन हुआ है वहाँ विश्वविद्यालय के उच्च हिमालयी पादप संरक्षण शोध केन्द्र (हैप्रेक) तथा पर्यावरण विभाग के द्वारा हिमालयी क्षेत्र के जैव-संसाधनों के संरक्षण को लेकर किए जा रहे अनुसंधान सराहनीय है। इस अवसर पर देवप्रयाग विधायक विनोद कंडारी, पौड़ी विधायक राजकुमार पोरी, प्रति कुलपति प्रो. आरसी भट्ट, कुलसचिव डॉ. धीरज कुमार शर्मा, दीक्षांत समारोह के समन्वयक प्रो. वाईपी रैवानी, वित अधिकारी एनएस पंवार, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. एमएस नेगी, मुख्य नियन्ता प्रो. बीपी नैथानी, मुख्य छात्रावास अधीक्षक प्रो. दीपक कुमार, मीडिया समन्वयक प्रो. एमएम सेमवाल, कार्य परिषद्, विद्या परिषद् संकायध्यक्ष, विभिन्न समितियों के सम्नवयक, विभागध्यक्ष आदि उपस्थित रहे।

माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए।

राष्ट्रपति ने दीक्षांत समारोह में 59 दीक्षार्थियों को दिए स्वर्ण पदक

सीएम ने युवाओं को दी तनाव मुक्त रहने की सलाह

मुख्यमत्री पुष्कर सिंह धामी ने दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को बधाई दी। उन्होंने युवाओं को तनाव मुक्त रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह की थीम ''सशक्त महिला, समृद्ध भारत'' के अनुरूप माननीय राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु महिला सशक्तिकरण का सर्वोत्तम उदाहरण है जिन्होंने अपनी जीवटता और समर्पण शक्ति के बलबूते संघर्ष को शक्ति में बदलने की प्रेरणा दी है। उन्होंने कहा कि कुल स्वर्ण पदक विजेताओं में 30 छात्राओं को स्वर्ण पदक मिलना गौरव का विषय है।

प्राकृतिक कृषि एक गेम चेंजर विकास का मॉडल साबित होगा

प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवा निवृत) ने सभी उपाधि धारकों को बधाई देते हुए, स्वर्गीय हेमवती नंदन बहुगुणा को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि गढ़वाल विश्वविद्यालय को पहाड़ के लोगों ने लंबे संघर्ष और ऐतिहासिक आन्दोलन से बनाया और विश्वविद्यालय ने विगत 50 वर्षों में निरंतर ज्ञान और शोध के क्षेत्र में बड़े कीर्तिमान स्थापित किए। साथ ही विश्वविद्यालय द्वारा वर्तमान में महिला सशक्तिकरण, कृषि विकास, पलायन रोकथाम, पर्यटन आधारित उद्योग और जल संरक्षण में शोध और नीति संबंधी पांच विषयों पर आधारित दस्तावेज को विश्वविद्यालय का उत्कृष्ट प्रयास बताया। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड के लिए प्राकृतिक कृषि एक गेम चेंजर विकास का मॉडल साबित होगा, साथ ही उन्होंने कृषि के साथ-साथ पर्यटन को अध्यात्म से जोड़ने की बात कही।

पांच पांडव की राह पर चलने पर हमें गर्व : पीएम मोदी

दमोह , मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव के प्रचार के लिए बुंदेलखंड के दमोह पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे के बयान का जिक्र करते हुए कहा कि हमें गर्व है कि हम पांच पांडव की राह पर चल रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने दमोह की जनसभा में कहा, कांग्रेस के लिए देश और राज्य का विकास जरूरी नहीं है, बल्कि उसके लिए सिर्फ अपना स्वार्थ ही जरूरी है। 2014 से पहले देश ने 10 वर्ष तक कांग्रेस को मौका दिया, लेकिन किसी को पता ही नहीं था कि देश के प्रधानमंत्री क्या कर रहे हैं, क्योंकि सब रिमोट से चल रहा था। आज भी कांग्रेस की रिमोट की आदत नहीं जा रही है, उस समय प्रधानमंत्री रिमोट से चलते थे, इन दिनों कांग्रेस के अध्यक्ष रिमोट से चल रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा, कांग्रेस के अध्यक्ष वरिष्ठतम नेताओं में से एक हैं, लेकिन वो बस नाममात्र के रह गए हैं। कभी कभी वो खुद के मूड में आ जाते हैं। मैंने कहीं पढ़ा कि कल उन्होंने पांडवों को याद किया था। जब रिमोट चलता है, तब वो सनातन को गाली देते हैं, लेकिन रिमोट बंद होते ही उन्होंने सनातन को याद किया। कल उन्होंने कहा कि भाजपा में पांच पांडव हैं। हमे गर्व है कि हम पांच पांडव की राह पर चल रहे है।

दमोह की जनता की ओर इशारा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, आज दमोह और पूरा मध्य प्रदेश कह रहा है, एक बार फिर मोदी सरकार। आप सभी के आशीर्वाद से पूरे विश्व में आज भारत का परचम लहरा रहा है। आज जमीन से लेकर अंतरिक्ष तक भारत का गौरव गान हो रहा है। भारत का चंद्रयान वहां पहुंचा है, जहां दुनिया का कोई देश नहीं पहुंचा। भारत के युवा बेटे–बेटियां खेल के मैदान में आज नए–नए रिकॉर्ड बना रहे हैं।

बुंदेलखंड की गौरव गाथा का जिक्रकरते हुए मोदी ने कहा, भारत की एक गाथा– बुंदेले हर बोलो, हम बचपन में सुनते थे और एक गाथा आज हम दुनिया को सुना रहे हैं। भारत का ये गौरवगान आज संभव न हो पाता, अगर मध्य प्रदेश का इतना आशीर्वाद मुझपर न होता। मोदी सिर्फ और सिर्फ आपका सेवक है। आपका जीवन बेहतर हो, आपके जीवन से मुश्किलें कम हो, यही मेरी प्राथमिकता है।उन्होंने आगे कहा, देश को आजाद हुए इतने साल हो चुके हैं, लेकिन इतने वर्षों से कांग्रेस देश से एक ही झूठ बार–बार बोलती रही, गरीबी खत्म करने का नारा देती रही। कांग्रेस कभी गरीबी खत्म नहीं कर पाई, क्योंकि कांग्रेस के नेताओं की नीयत ठीक नहीं थी।

केंद्र सरकार का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार है। भाजपा के सेवाकाल में देश गरीबी से बाहर निकल रहा है, अपनी गरीबी दूर कर रहा है। आज पूरी दुनिया भारत में हो रहे विकास की चर्चा कर रही है। 2014 में जब हम सरकार में आए, तब हमारा देश दुनिया की 10वें नंबर की आर्थिक ताकत था। आज भारत ने 5वें नंबर की अर्थव्यवस्था बनकर उस देश को पीछे छोड़ दिया है, जिसने 200 साल तक हम पर राज किया था।

प्रधानमंत्री ने जनता से वादा करते हुए कहा, ये मोदी की गारंटी है कि जब तीसरी बार मेरा सेवाकाल प्रारंभ होगा, मैं इस देश की अर्थव्यवस्था को दुनिया की टॉप तीन में लाकर रहूंगा। हमारी गारंटी खजाने लुटाने की नहीं होती, बल्कि हमारी गारंटी देश को आन–बान–शान के साथ आगे ले जाने की होती है। हमारी गारंटी वोट बटोरने की नहीं, बल्कि देशवासियों के सामर्थ्य बढ़ाने की होती है।

नीतीश ने महिलाओं पर दिए विवादित बयान के लिए मांगी माफी

पटना, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कल के अपने विवादित बयान के लिए आज विधानसभा में माफी मांग ली, लेकिन उनके इस्तीफे की मांग पर अड़े विपक्ष के जोरदार हंगामा के कारण विधानसभा की कार्यवाही करीब 14 मिनट बाद ही दो बजे दिन तक के लिए स्थगित करनी पड़ी । मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को विधानसभा में कहा कि कल के अपने वक्तव्य के संबंध में यहां आने से पहले ही उन्होंने प्रेस वालों के सामने सफाई दे दी है। बिहार में कितना ज्यादा महिलाओं की पढ़ाई पर जोर दिया जा रहा है । कल ही हमने बता दिया कि शिक्षा पर जोर देने के कारण प्रजनन दर में कमी आई है। यह खुशी की बात है। लड़का लड़की में यदि लड़की मैट्रिक पास है तो देश में प्रजनन दो और बिहार में भी प्रजनन दर दो है, लेकिन यदि लड़की इंटर पास कर जाती है, तो देश में प्रजनन

अंदर 1.7 है और बिहार में 1.6 है।

नीतीश कुमार ने कहा, "इसलिए ही हम लोगों ने महिलाओं की शिक्षा पर जोर दिया। आज महिला बहुत ज्यादा पढ़ रही हैं। महिलाओं को अगर मेरी किसी बात को लेकर तकलीफ हुई है तो मैं अपनी बात को वापस करता हूं और अपनी निंदा करता हूं। मैं दुख प्रकट करता हूं । मेरे किसी एक शब्द के चलते यदि किसी को तकलीफ हुई है तो क्षमा करें। मैं शर्म कर रहा हूं और इसके लिए दुख प्रकट कर रहा हूं। अपनी सारी बातों को मैं वापस लेता हूं।

दिल्ली में 9 से 18 नवंबर तक बंद रहेंगे स्कूल, बढ़ते प्रदूषण के बीच सरकार का बड़ा फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने लगातार बढ़ते प्रदूषण के स्तर को देखते हुए नौ से 18 नवंबर तक सभी स्कूलों में शीतकालीन अवकाश घोषित की। दिल्ली शिक्षा विभाग की ओर से यह आदेश बुझावार को जारी किया गया। आदेश में कहा गया है कि राजधानी में बढ़ते प्रदूषण के स्तर को देखते हुए शीतकालीन सत्र को पहले करने का निर्णय लिया गया है। इस दौरान स्कूल पूरी तरह बंद रहेंगे। उन्होंने कहा कि सभी स्कूल नौ से 18 नवंबर तक बंद रहेंगे। शिक्षक भी घर पर रहेंगे। उन्होंने कहा कि शीतकालीन अवकाश के बचे हुए दिनों के बारे में निर्णय उचित समय पर लिया जाएगा। गौरतलब है कि दिल्ली भर में वायु गुणवत्ता खराब होने के कारण प्राइमरी स्कूलों को 10 नवंबर तक बंद करने का फैसला किया गया था।

अरविंद केजरीवाल–भगवंत मान ने किया रोड शो

गुना , दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान बुधवार को गुना जिले की चांचौड़ा विधानसभा में पहुंचे। यहां उन्होंने आप प्रत्याशी ममता मीना के समर्थन में रोड शो किया। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि भाजपा और कांग्रेस की सरकार जो पिछले 75 वर्षों में नहीं कर पाई। आम आदमी पार्टी ने वो पांच वर्ष के कर के दिखा दिया। हमने स्कूल और मोहल्ला क्लिनिक बनवाए।

आम आदमी पार्टी ने चांचौड़ा विधानसभा से पूर्व विधायक ममता मीना को प्रत्याशी बनाया है। ममता मीना ने भाजपा से टिकट न मिलने से नाराज होकर पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने आम आदमी पार्टी की सदस्यता ले ली थी। पार्टी ने यहां से उन्हें प्रत्याशी बनाया है। अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान दोपहर 2 बजे के बाद चांचौड़ा पहुंचे। यहां जयसिंह पुरा से रोड शो शुरू हुआ। तीन किलोमीटर लंबा रोड शो बीनागंज मुख्य चौराहे पर समाप्त हुआ। यहीं रथ में सवार होकर ही आमसभा हुई। ममता मीना ने कहा कि वह एक बार दिल्ली गयीं। तब वहां चुनाव चल रहे थे। गाड़ी आने में लेट थी, तो वे ऑटो से ही जाने लगीं। उनके पति ने ऑटो वाले से पूछ लिया कि किसकी सरकार बन रही है, तो ममता मीना ने बीच मे बोल दिया कि भाजपा की।

एजेंसियों पर केंद्र सरकार ने शुरू की सख्ती

नई दिल्ली। कोविड के दौरान रद्द उड़ानों के पैसे नहीं लौटाने वाली एजेंसियों पर केंद्र सरकार ने सख्ती शुरू कर दी है। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने बुधवार को उपभोक्ता हित को प्रभावित करने वाले ऑनलाइन ट्रैवल संचालकों (एग्रीगेटर्स) के साथ बैठक की और उन्हें नवंबर के तीसरे हफ्ते तक लंबित रिफंड का भुगतान करने का निर्देश दिया। शिकायतों के समाधान के लिए एयरलाइंस के साथ राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन मिलकर काम करेगा। उपभोक्ता मामले विभाग के सचिव रोहित कुमार सिंह ने बताया कि बैठक में मेक–माईट्रिप, यात्रा और क्लियर ट्रिप आदि प्रमुख एजेंसियों के प्रतिनिधियों के साथ कुछ सक्रिय उपभोक्ताओं ने भाग लिया। इस दौरान विभाग की विशेष सचिव और केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) प्रमुख निधि खरे ने एक प्रस्तुति के जरिए ऑनलाइन ट्रैवल प्लेटफार्मों पर प्रचलित 'डार्क पैटर्न' के बारे में बताया।

इन कंपनियों को नोटिस जारी

सीसीपीए ने इस मुद्दे पर स्वतः संज्ञान लेते हुए ऑनलाइन ट्रैवल प्लेटफार्मों इंज माई ट्रिप, यात्रा, मेक माई ट्रिप, हैप्पी ईजी गो, क्लियर ट्रिप के साथ ट्रैवल एजेंसियों थॉमस कुक और केसरी टूर्स को नोटिस जारी किया है। वीणा वर्ल्ड, नीम हॉलीडेज और मैंगो हॉलीडेज को उपभोक्ताओं को तुरंत पैसा वापस करने का निर्देश दिया गया है।

नीचे से गुजर रही थी ट्रेन, ऊपर पुल से आ गिरी एसयूवी , तीन लोगों की दर्दनाक मौत

रायगढ़ ,एक अजीब दुर्घटना में रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (ए) के एक कार्यकर्ता और उनके दो चचेरे भाइयों की मौत हो गई। उनकी एसयूवी एक पुल से नीचे गिर गई और चलती मालगाड़ी से टकरा गई। पुलिस ने यहां बुधवार को यह जानकारी दी।

पेशे से पत्रकार 40 वर्षीय आरपीआई कार्यकर्ता धर्मानंद गायकवाड़ और उनके रिश्तेदार 48 वर्षीय नितिन जाधव और 46 वर्षीय मंगेश जाधव को ले जा रहा एसयूवी तड़के चार बजे के आसपास मुंबई–पनवेल रोड पर नेरल शहर की ओर जाते समय दुर्घटना का शिकार हो गया।

एक अधिकारी ने कहा कि रास्ते मे एसयूवी का संतुलन बिगड़ गया और पुल के बैरिकेड को तोड़ते हुये वह नीचे जा गिरा। नीचे पनवेल–कर्जत स्टेशनों के बीच सिंगल–लाइन पर मालगाड़ी गुजर रही थी। एसयूवी उसके ऊपर गिरा। एसयूवी के गिरने से दो डिब्बों के बीच की कपलिंग टूट गई और वह रेलवे ट्रैक से जा टकराया।

त्रासदी के बाद, पनवेल–कर्जत खंड पर मध्य रेलवे सेवाएं लगभग चार घंटे के लिए निलंबित कर दी गईं, और कम से कम एक लंबी दूरी की ट्रेन का मार्ग बदलना पड़ा।

हमास-इजरायल संघर्ष में संयुक्त राष्ट्र के 89 कर्मचारियों की मौत

जिनेवा, एजेंसी। हमास–इजरायल के बीच जारी संघर्ष में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) 89 सहायता कर्मी मारे गए हैं, जो इतिहास में किसी संघर्ष में मारे गए संरा कर्मचारियों की सबसे अधिक संख्या है। यूएनआरडब्ल्यूए ने हमास और इजरायल के बीच जारी संघर्ष को लेकर अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा कि सात अक्तूबर से गाजा पट्टी में लगभग 10.50 लाख लोग विस्थापित हुए हैं, लगभग 7,25,000 लोग गाजा के सभी पांच गवर्नरेट में 149 यूएनआरडब्ल्यूए प्रतिष्ठानों में शरण ले रहे हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले 24 घंटों में गाजा के उत्तर में स्थित यूएनआरडब्ल्यूए का एक विद्यालय हमलों की चपेट में आ गया, जिसके परिणामस्वरूप विद्यालय में शरण लिए हुए आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों (आईडीपी) में से एक व्यक्ति की मौत हो गई और नौ घायल हो गए।

मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संरा कार्यालय के अनुसार गाजा में संरा सुविधाओं में भीड़भाड़ अब बड़ी चिंता बनी हुई है।

इतिहास में पहली बार हुआ

खान यूनिस प्रशिक्षण केंद्र में, जहां 22,000 विस्थापित लोगों ने आश्रय ले रहे हैं। यहां प्रति व्यक्ति जगह दो वर्ग मीटर से भी कम है और प्रत्येक 600 लोगों के लिए एक शौचालय है।

सुरक्षाबलों के 48 जवानों की हत्या में शामिल नक्सली कमांडर नवीन ने किया सरेंडर

रांची ,। झारखंड–बिहार में नक्सली पुलिस और सुरक्षाबलों के 48 जवानों की हत्या में शामिल और प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी के टॉप कमांडरों में शामिल 15 लाख का इनामी नवीन यादव ने आज सरेंडर कर दिया। उसने झारखंड के चतरा जिले के डीसी अबु इमरान, एसपी राकेश रंजन और सीआरपीएफ 190 बटालियन के कमांडेंट मनोज कुमार के समक्ष आत्मसमर्पण किया।

सरकार की पॉलिसी के अनुसार, बुके देकर उसका मुख्यधारा में स्वागत किया गया और उसे हजारीबाग के ओपन जेल में शिफ्ट किया जाएगा। वह हत्या, आगजनी, लूट, अवैध हथियार रखने समेत 72 मामलों में वांटेड था। उसके खिलाफ झारखंड के चतरा में 16, लातेहार में 16, गढ़वा में 7, पलामू में 2, बिहार के गया में 6 और छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिला में 4 मामले दर्ज हैं।

वर्ष 2011 में चतरा के तत्कालीन सांसद इंदर सिंह नामधारी के काफिले पर हमले में आठ जवानों की शहादत, इसी वर्ष गढ़वा के भंडरिया में नक्सली हमले में 13 जवानों की मौत और वर्ष 2016 में बिहार के औरंगाबाद–गया बॉर्डर पर नक्सलियों के हमले में कोबरा बटालियन में 10 जवानों की शहादत की घटनाओं में नवीन शामिल रहा है।

नक्सली संगठन में उसका ओहदा रीजनल कमांडर का था और झारखंड–बिहार सहित कई राज्यों की पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। उसके आत्मसमर्पण को झारखंड पुलिस की बड़ी कामयाबी माना जा रहा है।

नवीन झारखंड के नक्सलियों के अभेद्य दुर्ग माने जाने वाले बूढ़ा पहाड़ से पलामू, गढ़वा, लातेहार, चतरा आदि जिलों में बंदूक के जोर पर आतंक की हुकूमत चलाता था। नवीन को नक्सली संगठन में सरबजीत यादव और विजय यादव के नाम से भी जाना जाता था। उसने कारोबारियों–ठेकेदारों से करोड़ों की लेवी (रंगदारी) की उगाही की है।

पुलिस की जांच में यह बात सामने आई थी कि उसने लेवी की रकम से पलामू के रेड़मा में 18.5 एकड़ और चतरा के प्रतापपुर में करीब 13 एकड़ जमीन खरीदी थी।

दिल्ली–गाजियाबाद के बदमाशों में गैंगवार, 30 से ज्यादा राउंड फायरिंग

गाजियाबाद ,। दो बदमाशों के गैंग के बीच में गैंगवार होने का एक मामला सामने आया है। जिसमें रात के वक्त करीब 30 राउंड से ज्यादा फायरिंग हुई और जमकर लाठी–डंडे और पत्थर चले हैं। इस मामले में तीन लोग गोली लगने से घायल भी हुए हैं। जिनको अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मामला दिल्ली के दो गैंग का था, लेकिन जगह गाजियाबाद के इलाके की थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर दो दर्जन लोगों के खिलाफ एफआईआर की है। गाजियाबाद पुलिस को घटनास्थल से कुल 23 खोखे (खाली कारतूस) मिले हैं। इससे स्पष्ट है कि करीब 30 से ज्यादा राउंड फायरिंग हुई हैं। पुलिस ने अपनी तरफ से दोनों पक्षों के 23 लोगों के खिलाफ थाना शालीमार गार्डन में एफआईआर दर्ज की है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक बीती रात करीब 12 बजे के आसपास शालीमार गार्डन क्षेत्र की बंगाली कॉलोनी में बदमाश टोनी और पिंकी के गुटों में मारपीट की सूचना मिली। दोनों बदमाश दिल्ली में न्यू सीमापुरी के रहने वाले हैं। लेकिन, टोनी के गुट में दिल्ली और पिंकी के गुट में यूपी के लडके हैं। ये इलाका दिल्ली–यूपी बॉर्डर से एकदम सटा हुआ है।

पुलिस जब मौके पर पहुंची तो बड़ी संख्या में दो गुटों के लोग लाठी–डंडों से मारपीट कर रहे थे। एक–दूसरे पर पत्थर फेंक रहे थे और

गोलियां बरसा रहे थे। दोनों गुटों पर तमंचे, बंदूक और चाकू भी थे। पता चला कि दोनों ही बदमाशों के गुट वर्चस्व को लेकर भिड़ गए हैं। पुलिस के पहुंचने पर दोनों पक्ष वहां से भाग निकले।

गैंगवार के दौरान टोनी गैंग के सैफ और पिंकी गैंग के आजम व मुर्शरफ को गोली लगी। यहां मौजूद लोगों ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने बताया, दोनों तरफ से फायरिंग हुई। भारी पथराव किया गया। इससे कॉलोनी में अफरा–तफरी मच गई। लोगों ने अपनी जान बचाते हुए घरों के दरवाजे बंद कर लिए। मौके से पुलिस को .315 बोर के 5 और .32 बोर के 18 खोखे पड़े मिले हैं। इन्हें पुलिस ने सील कर दिया है।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता अब भी गंभीर श्रेणी में

नई दिल्ली , दिल्ली में बुधवार सुबह हवा की गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में बनी रही। शहर के कई इलाकों में पीएम 2.5 और कार्बन मोनोऑक्साइड (सीओ) के स्तर में वृद्धि दर्ज की गई।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी के आनंद विहार में पीएम 2.5 का स्तिर 500 के साथ गंभीर श्रेणी में रहा, जबकि सीओ 112 और एनओ2 का स्त र 128 पर मध्यम श्रेणी में रहा।

शून्य और 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा माना जाता है। 51 और 100 के बीच संतोषजनक; 101 और 200 के बीच मध्यम; 201 और 300 के बीच खराब, 301 और 400 के बीच बहुत खराब; और 401 और 500 के बीच गंभीर माना जाता है। बवाना में पीएम2.5 और पीएम10 का स्त र 500 (गंभीर) दर्ज किया गया, जबकि सीओ 110 (मध्यम) तक पहुंच गया।

दिल्ली तकनीकी विश्वविद्यालय (डीटीयू) में पीएम10 गंभीर श्रेणी

के तहत 456 पर पहुंच गया, जबकि पीएम2.5 बहुत खराब श्रेणी के तहत 356 पर था। सीओ मध्यम श्रेणी के तहत 115 दर्ज किया गया था।

द्वारका सेक्टर 8 में पीएम10 का स्तंर 465 और पीएम2.5 का 457 (गंभीर) दर्ज किया गया, जबकि सीओ 135 पर, मध्यम श्रेणी में दर्ज किया गया। इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय (आईजीआई) हवाईअड्डे के टर्मिनल3 पर पीएम2.5 का स्तर 456 और पीएम10 का 434 रहा जो गंभीर श्रेणी में है। सीओ का स्तरर 137 मध्यम श्रेणी में रहा।

आईटीओ पर पीएम2.5 का स्तएर 500 दर्ज किया गया जबकि पीएम10 का स्त र 444 पर पहुंच गया। दोनों गंभीर श्रेणी में हैं। बुधवार सुबह सीओ 117 (मध्यम) दर्ज किया गया। लोधी रोड पर पीएम 2.5 बहुत खराब श्रेणी में 388 पर था, जबकि पीएम10 का स्त4र 363 दर्ज किया गया जो बहुत खराब श्रेणी में है। सीओ 123 मध्यम श्रेणी में था। पंजाबी बाग में पीएम 2.5 का स्तरर 493 और पीए10 का 436 पर पहुंच गया। दोनों गंभीर श्रेणी में हैं। नाइट्रोजन ऑक्साइड का स्तार मध्यम श्रेणी में गिरकर 125 पर पहुंच गया।

सम्पादकीय

बिहार में ये उलटी चाल

उपलब्ध विवरण के मुताबिक जिन 22 लाख से अधिक छात्र–छात्राओं के नाम स्कूलों से काटे गए हैं, उनमें कक्षा एक से लेकर आठ तक के बच्चों की संख्या 18 लाख 31 हजार है, जबकि बाकी बच्चे कक्षा नौ से 12वीं कक्षा तक के हैं।

बिहार सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में एक विवादास्पद कदम उठाया है। इसके तहत 22 लाख स्कूली छात्र–छात्राओं के नाम काट दिए गए हैं। सरकार का दावा है कि वह ऐसा शिक्षा व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए कर रही है। उसका दावा है कि उन छात्रों के नाम स्कूल के रजिस्टर से हटाए जा रहे हैं, जो 30 दिन तक लगातार गैर–हाजिर रहे। सरकार स्कूलों से गैर–हाजिर रहने वाले शिक्षकों पर भी कार्रवाई कर रही है, लेकिन वह दीगर मुद्दा है। छात्रों के मामले से उसका सिर्फ इतना संबंध है कि चूंकि बड़ी संख्या में शिक्षक गायब रहते हैं और स्कूलों में पढ़ाई नहीं होती, तो बहुत से छात्रों की स्कूल जाने में दिलचस्पी घट जाती है। ज्यादातर ये छात्र वैसे गरीब घरों से आते हैं, जहां उनका श्रम उनके परिवार की आय लिए जरूरी बना रहता है। अब तक सामने आए ब्योरे के मुताबिक बीते चार महीने में जिन 22 लाख से अधिक छात्र–छात्राओं के नाम काटे गए हैं, उनमें कक्षा एक से लेकर आठ तक के बच्चों की संख्या 18 लाख 31 हजार है, जबकि बाकी बच्चे कक्षा नौ से 12वीं कक्षा तक के हैं।

नाम काटे जाने के कारण ढाई लाख से ज्यादा बच्चे बिहार विद्यालय परीक्षा बोर्ड की इंटर और मैट्रिक की परीक्षाओं में शामिल होने से वंचित रह जाएंगे। शिक्षा विभाग ने बिहार विद्यालय परीक्षा समिति को ऐसे 2,66,564 विद्यार्थियों की सूची भेजी है। जाहिर है, सामूहिक रूप से बड़ी संख्या में सरकार छात्रों को उस कथित जुर्म के लिए दंडित कर रही है, जिसके लिए खुद वो जिम्मेदार है। फिर शिक्षा के अधिकार नियम के तहत छह से 14 वर्ष के बच्चों के अनिवार्य और निशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है। हकीकत यह है कि शिक्षा की गुणवत्ता में तब तक सुधार नहीं होगा, योग्य शिक्षकों की नियुक्ति नहीं होगी और स्कूलों में बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध नहीं कराया जाएगा, छात्रों को स्कूल में हाजिर रहने के लिए प्रोत्साहित नहीं किया जा सकता। मुद्दे की बात यह है कि राज्य की खस्ताहाल शिक्षा व्यवस्था के लिए किसी भी रूप में कथित घोस्ट स्टूडेंट्स जिम्मेदार नहीं हैं।

न्यायिक सक्रियता से क्या टकराव बढ़ेगा?

देश की उच्च न्यायपालिका और सरकार के बीच एक मुद्दे को छोड़ कर टकराव की स्थिति नहीं बनी है। टकराव का एकमात्र मुद्दा जजों की नियुक्ति का है। सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम की ओर से भेजी गई सिफारिशों को सरकार आंख मूंद कर स्वीकार नहीं कर रही है। इस पर कई जज आपत्ति कर चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट की एक बेंच ने पिछले दिनों कहा कि वह हर 15 दिन पर इस मसले पर सुनवाई करेगी। चीफ जस्टिस ने कहा कि सरकार कॉलेजियम की ओर से भेजे गए नामों को एक बार में मंजूरी नहीं दे रही है, जिससे जजों की वरिष्ठता प्रभावित हो रही है। कॉलेजियम की ओर से भेजी गई दर्जनों सिफारिशें सरकार के पास लंबित रहती हैं। सो, जजों की नियुक्ति के एक मामले को छोड़ दें तो सरकार और न्यायपालिका में टकराव नहीं हुआ है। अदालतें सुनवाई के दौरान सख्त टिप्पणी करती हैं लेकिन फैसला उस टिप्पणी के अनुरूप नहीं करती हैं। कई बार टिप्पणी के बिल्कुल विपरीत फैसला होता है। टिप्पणियों से लगता है कि अदालत बहुत नाराज है और सरकार के खिलाफ फैसला आएगा लेकिन ऐसा नहीं होता है। परंतु आने वाले दिनों में यह स्थिति बदल सकती है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ का एक साल का अगला कार्यकाल टकराव वाला हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट के कुछ फैसलों से इसकी बुनियाद रखी जा चुकी है। मिसाल के तौर पर एक फैसला महाराष्ट्र के स्पीकर को विधायकों की अयोग्यता के बारे में फैसला करने की टाइमलाइन देने का है। केंद्र और राज्य सरकार के विरोध के बावजूद सुप्रीम कोर्ट ने स्पीकर राहुल नार्वेकर को कहा कि वे शिव सेना विधायकों की अयोग्यता पर 31 दिसंबर तक और एनसीपी विधायकों की अयोग्यता पर 31 जनवरी तक अंतिम फैसला करें। शर्त माफी मांगते हैं तो वे सहानुभूतिपूर्वक इस पर विचार करें।

अजीत द्विवेदी

न्यायपालिका और विधायिका के बीच टकराव का क्या नया दौर शुरू होने जा रहा है? देश के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने एक मीडिया समूह के कार्यक्रम में कहा है कि विधायिका चाहे तो नए कानून बना सकती है लेकिन वह अदालत के किसी फैसले को सीधे खारिज नहीं कर सकती है। यह उनका अपना आकलन नहीं है, बल्कि संवैधानिक स्थिति है, जिसका जिक्र करके उन्होंने स्थिति स्पष्ट की। इस बयान को एक के बाद एक हो रही घटनाओं के साथ मिला कर देखें तो समझ में आता है कि आने वाला समय टकराव का हो सकता है। एक के बाद एक अनेक ऐसे मुद्दे सुप्रीम कोर्ट के सामने पहुंच रहे हैं, जिनमें संविधान का सवाल शामिल है। संभवतः तभी चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने कुछ समय पहले कहा था कि वे सात सदस्यों की एक स्थायी संविधान पीठ गठित करने पर विचार कर रहे हैं। अगर ऐसा होता है तो इसका मतलब होगा कि टकराव नहीं भी हो तो विधायिका और न्यायपालिका में स्थायी तनाव बना रहेगा।

वैसे अभी तक देश की उच्च न्यायपालिका और सरकार के बीच एक मुद्दे को छोड़ कर टकराव की स्थिति नहीं बनी है। टकराव का एकमात्र मुद्दा जजों की नियुक्ति का है। सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम की ओर से भेजी गई सिफारिशों को सरकार आंख मूंद कर स्वीकार नहीं कर रही है। इस पर कई जज आपत्ति कर चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट की एक बेंच ने पिछले दिनों कहा कि वह हर 15 दिन पर इस मसले पर सुनवाई करेगी। चीफ जस्टिस ने कहा कि सरकार कॉलेजियम की ओर से भेजे गए नामों को एक बार में मंजूरी नहीं दे रही है, जिससे जजों की वरिष्ठता प्रभावित हो रही है। कॉलेजियम की ओर से भेजी गई दर्जनों सिफारिशें सरकार के पास लंबित रहती हैं। सो, जजों की नियुक्ति के एक मामले को छोड़ दें तो सरकार और न्यायपालिका में टकराव नहीं हुआ है। अदालतें सुनवाई के दौरान सख्त टिप्पणी करती हैं लेकिन फैसला उस टिप्पणी के अनुरूप नहीं करती हैं। कई बार टिप्पणी के बिल्कुल विपरीत फैसला होता है। टिप्पणियों से लगता है कि अदालत बहुत नाराज है और सरकार के खिलाफ फैसला आएगा लेकिन ऐसा नहीं होता है।

परंतु आने वाले दिनों में यह स्थिति बदल सकती है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ का एक साल का अगला कार्यकाल टकराव वाला हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट के कुछ फैसलों से इसकी बुनियाद रखी जा चुकी है। मिसाल के तौर पर एक फैसला महाराष्ट्र के स्पीकर को विधायकों की अयोग्यता के बारे में फैसला करने की टाइमलाइन देने का है। केंद्र और राज्य सरकार के विरोध के बावजूद सुप्रीम कोर्ट ने स्पीकर राहुल नार्वेकर को कहा कि वे शिव सेना विधायकों की अयोग्यता पर 31 दिसंबर तक और एनसीपी विधायकों की अयोग्यता पर 31 जनवरी तक अंतिम फैसला करें। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने कई बार स्पीकर की निष्क्रियता को लेकर टिप्पणी की थी। अदालत ने कहा था कि वे अनिश्चितकाल तक मामले को लंबित नहीं रख सकते। लेकिन स्पीकर ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया। उलटे उन्होंने कहा कि वे फैसले में न देरी करेंगे और न जल्दबाजी करेंगे क्योंकि जल्दबाजी करने से अन्याय होने की संभावना बढ़ जाती है। उनके इस रवैए को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने आदेश पारित कर दिया। इस मामले में सरकार ने कहा था कि इससे पीठासीन अधिकारियों को टाइमलाइन देने की गलत परम्परा शुरू होगी और हाई कोर्ट भी इस तरह के आदेश देने लगेंगे।

इसके अलावा दो और मामले थे, जिनमें लगा था कि अदालत का टकराव सरकार के साथ बढ़ सकता है, लेकिन सवीच्च अदालत ने अपने फैसले से इस स्थिति को टाल दिया। पहला मामला दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत का था, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने ईडी के कामकाज को लेकर बहुत सख्त टिप्पणी की थी। अदालत ने यहां तक कहा था कि एजेंसी सबूत ले आए नहीं तो केस दो मिनट नहीं टिकेगा। हालांकि बाद में अदालत ने सिसोदिया को जमानत नहीं दी। इसी तरह दूसरा मामला आप के ही दूसरे नेता राघव चड्ढा का था। उनको राज्यसभा से निलंबित किए जाने पर अदालत ने बहुत सख्त टिप्पणी की थी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि इस तरह से सदस्यों को अनिश्चितकाल के लिए निलंबित करना चिंताजनक है। तब लगा था कि शायद अदालत संसद के दोनों सदनों के पीठासीन अधिकारियों को लेकर कोई आदेश पारित कर सकती है। लेकिन अंत में अदालत ने चड्ढा को कहा कि वे राज्यसभा के सभापति से बिना शर्त माफी मांग कर मामले को खत्म करें। साथ ही सभापति को भी अदालत ने कहा कि अगर चड्ढा बिना शर्त माफी मांगते हैं तो वे सहानुभूतिपूर्वक इस पर विचार करें।

इन दो–तीन मामलों के बाद अब जो मामले सवीच्च अदालत के सामने लम्बित हैं और एक के बाद जिस तरह के मामले अदालत के सामने पहुंच रहे हैं उसे देखते हुए लग रहा है कि आने वाले दिनों में टकराव का नया दौर शुरू हो सकता है। इन मामलों में चुनावी बॉन्ड का मामला है, जिस पर सुनवाई पूरी करके अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। इस मामले में भी सुनवाई के दौरान अदालत की टिप्पणी बहुत सख्त थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह मानने में बहुत मुश्किल है कि नागरिकों को चंदे का स्रोत जानने का हक नहीं है। अदालत ने यह भी कहा कि इस मामले में चुनिंदा गोपनीयता है यानी सत्तापक्ष को स्रोत का पता है, जबकि विपक्ष को नहीं पता है। इस मामले में अदालत का फैसला बहुत अहम होगा। इसी तरह प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी के अधिकारों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई भी अहम होगी। सुप्रीम कोर्ट इस मामले में अपने ही फैसले के कुछ पहलुओं की समीक्षा करने वाली है।

इसके अलावा विपक्ष के नेता जिस रफ्तार से सुप्रीम कोर्ट की दौड़ लगा रहे हैं उससे भी टकराव की संभावना पैदा हो रही है। हाल के दिनों में तीन राज्य सरकारों ने अदालत का रुख किया है। पंजाब सरकार इस बात को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंची है कि राज्यपाल ने विधानसभा सत्र में पेश करने के लिए भेजे गए विधेयकों को मंजूरी नहीं दी। हालांकि पंजाब सरकार के अदालत में जाने और उस पर सुनवाई से पहले राज्यपाल ने दो धन विधेयकों को मंजूरी दे दी। इसी तरह तमिलनाडु और केरल की सरकारें सुप्रीम कोर्ट पहुंची हैं। उनका कहना है कि राज्यपालों ने विधानसभा से पास किए गए विधेयकों को लटका कर रखा है, उस पर मंजूरी नहीं दे रहे हैं। इस बीच तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा का मामला आया है। लोकसभा की एथिक्स कमेटी अगर उनकी सदस्यता खत्म करती है तो वे इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएंगी। ध्यान रहे पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने मानहानि के मामले में राहुल गांधी को राहत दी थी, जिसके बाद उनकी सदस्यता बहाल हुई थी और अब राजद के नेता तेजस्वी यादव भी सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हैं। बहरहाल, राज्यपालों के अधिकारों और कामकाज से लेकर संसद व विधानसभाओं के पीठासीन अधिकारियों और केंद्रीय एजेंसियों के कामकाज से लेकर राजनीतिक दलों के चंदे से जुड़े इतने मामले में अदालत में पहुंच गए हैं या पहुंचने वाले हैं कि आने वाले दिन टकराव वाले हो सकते हैं।

भारत की दो हकीकतें

भारतीय समाज की इस समय दो हकीकतें हैं। बहुसंख्यक आबादी की जिंदगी अधिक संघर्षपूर्ण होती गई है, मगर उसी समय लोगों में भविष्य बेहतर होने का भरोसा मजबूत होता गया है। भोजन और आवास के लिए रोजमर्रा का संघर्ष करने वाले लोगों की संख्या बढ़ी है, लेकिन सरकार और संस्थाओं में लोगों का यकीन मजबूत होता गया है। गैलप वर्ल्ड दुनिया की भरोसेमंद सर्वे एजेंसी है। वह हर साल अलग–अलग देशों के बारे में अपनी रिपोर्ट जारी करती है। भारत में 2022 में किए गए सर्वे की रिपोर्ट कुछ समय पहले जारी हुई है। इसके जो निष्कर्ष हैं, उन्हें दो श्रेणियों में रखा जा सकता है। पहली श्रेणी के निष्कर्ष हैः युवाओं का अपने बेहतर भविष्य में भरोसा मजबूत हुआ है, ऐसे लोगों की संख्या बढ़ी है जो मानते हैं कि उनके बच्चों के अवसर बेहतर हुए हैं, शिक्षा को लेकर संतोष में वृद्धि हुई है, बहुसंख्या यह मानती है कि नौकरी पाने के लिहाज से यह अच्छा समय है, उपलब्ध वायु और जल की गुणवत्ता से संतुष्ट लोगों की संख्या बढ़ी है, और साल भर पहले की तुलना में वित्तीय संस्थानों में भरोसा रखने वाले लोगों की संख्या बढ़ गई है।

भोजन और आवास के लिए रोजमर्रा का संघर्ष करने वाले लोगों की संख्या बढ़ी है, लेकिन सरकार और संस्थाओं में लोगों का यकीन मजबूत होता गया है। गैलप वर्ल्ड की ताजा रिपोर्ट से भारत के इस अंतर्विरोध पर रोशनी पड़ी है।

भारतीय समाज की इस समय दो हकीकतें हैं। बहुसंख्यक आबादी की जिंदगी अधिक संघर्षपूर्ण होती गई है, मगर उसी समय लोगों में भविष्य बेहतर होने का भरोसा मजबूत होता गया है। भोजन और आवास के लिए रोजमर्रा का संघर्ष करने वाले लोगों की संख्या बढ़ी है, लेकिन सरकार और संस्थाओं में लोगों का यकीन मजबूत होता गया है। गैलप वर्ल्ड दुनिया की भरोसेमंद सर्वे एजेंसी है। वह हर साल अलग–अलग देशों के बारे में अपनी रिपोर्ट जारी करती है। भारत में 2022 में किए गए सर्वे की रिपोर्ट कुछ समय पहले जारी हुई है। इसके जो निष्कर्ष हैं, उन्हें दो श्रेणियों में रखा जा सकता है। पहली श्रेणी के निष्कर्ष हैः युवाओं का अपने बेहतर भविष्य में भरोसा मजबूत हुआ है, ऐसे लोगों की संख्या बढ़ी है जो मानते हैं कि उनके बच्चों के अवसर बेहतर हुए हैं, शिक्षा को लेकर संतोष में वृद्धि हुई है, बहुसंख्या यह मानती है कि नौकरी पाने के लिहाज से यह अच्छा समय है, उपलब्ध वायु और जल की गुणवत्ता से संतुष्ट लोगों की संख्या बढ़ी है, और साल भर पहले की तुलना में वित्तीय संस्थानों में भरोसा रखने वाले लोगों की संख्या बढ़ गई है। अब दूसरे निष्कर्षों पर गौर करेः हर दस में चार व्यक्ति ने कहा कि (2022 में) उसे रोजमर्रा के भोजन के लिए ज्यादा जद्दोजहद करनी पड़ी, और ऐसे लोगों की संख्या बढ़ी जिन्हें लगता है कि आवास उनकी पहुंच से और दूर हो गया है। गैलप सर्वे के इस अंतर्विरोध का विश्लेषण करते हुए तीन अर्थशास्त्रियों ने एक अखबार में लिखा– 'सत्ताधारी एनडीए में लोगों का ऊंचा भरोसा बना हुआ है। हिंदुत्व, अति केंद्रीकरण, और व्यक्ति पूजा की बढ़ी संस्कृति इसके पीछे प्रेरक तत्व हैं। लेकिन हम अपने विश्लेषण से इस निष्कर्ष पर हैं कि दरअसल, एनडीए में ऊंचा भरोसा भोजन और आवास की स्थिति बिगड़ने का एक कारण है।' दरअसल, जिस समय चुनाव आयोग से लेकर न्यायपालिका तक और आम जांच एजेंसियों से लेकर सेबी तक की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठे हों, संस्थाओं में भरोसा बढ़ना एक विडंबना ही है। मगर भारत इस समय ऐसे ही अंतर्विरोध में जी रहा है।

लगातार देर तक काम करना हो सकता है सेहत के लिए नुकसानदायक, जानें इसके प्रभाव को कम करने के 3 उपाय

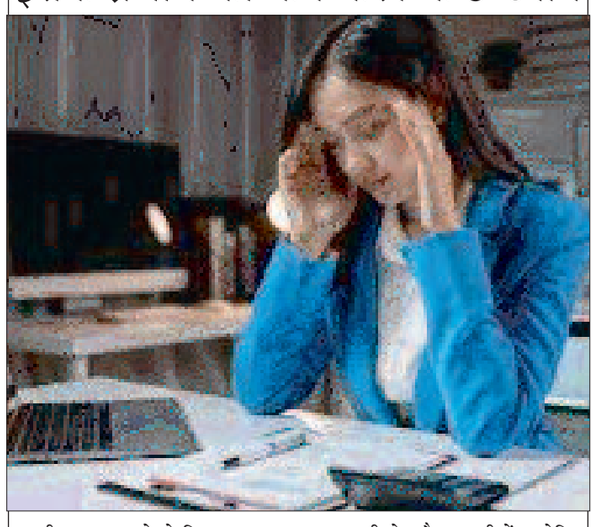

जीवनयापन करने के लिए काम करना बहुत जरूरी होता है, हाल ही में इन्फोसिस के फाउंडर नारायण मूर्ति ने हफ्ते में 70 घंटे काम करने की सलाह दी थी, जिसके बाद सभी लोग हैरान हो गए थे. लेकिन क्या आप जानते हैं कि लंबे समय तक काम करना न सिर्फ आपकी पर्सनल और फैमिली लाइफ को नुकसान पहुंचता है, बल्कि आपकी सेहत के लिए भी बहुत नुकसानदायक है. आइए आज हम आपको बताते हैं कि लंबे समय तक काम करने से क्या नुकसान होते हैं और इससे आप कैसे डील कर सकते हैं.2021 में वर्ल्ड हेल्थ आर्गेनाइजेशन ने एक रिपोर्ट जारी की थी, जिसमें कहा गया था कि 2016 में स्ट्रोक और दिल के दौर के कारण लगभग 745000 लोगों की मौत हो गई थी. इसके पीछे की वजह लंबे समय तक काम करना, नींद ना आना, खराब डाइट और तनाव था. यह सभी कारण आपके दिल पर बुरा प्रभाव डालते हैं.

लॉन्ग वर्किंग घंटों के नुकसान

लंबे समय तक काम करने से न सिर्फ आपकी फैमिली और पर्सनल लाइफ बाधित होती है, बल्कि यह आपके शरीर के लिए भी नुकसानदायक होता है. एक्सपर्ट्स के मुताबिक, लॉन्ग वर्किंग ऑवर का प्रभाव आपकी डाइट और एक्सरसाइज रूटीन पर भी पड़ता है, क्योंकि आप इन सारी चीजों को कम कर देते हैं और काम पर फोकस करने लगते हैं. इतना ही नहीं ज्यादा समय तक काम करने वाले लोगों को सिगरेट, शराब, चाय, कॉफी जैसी लत भी जल्दी लग जाती है जिसका पूरा प्रभाव शरीर पर पड़ता है. ऐसे में काम और लाइफ के बीच में बैलेंस बनाना बहुत जरूरी है.

इस तरह से काम और लाइफ के बीच करें कोऑर्डिनेशन

समय सीमा निर्धारित करें

वर्किंग लोगों के ऊपर हमेशा काम करने का दबाव होता है, लेकिन काम और आराम के बीच समय का कोआर्डिनेशन करना बहुत जरूरी होता है. आप अपनी क्षमता के अनुसार ही काम करें और बीच–बीच में ब्रेक भी लें.

सेल्फ केयर

लॉन्ग वर्किंग ऑवर के साथ–साथ जरूरी है कि आप अपनी खुद की केयर भी करें. एक्सरसाइज के लिए समय निकालें, हेल्दी डाइट लें और समय से सोए और समय से उठें.

घंटे के हिसाब से काम करें

अपना वर्किंग शेड्यूल 8–8–8 के हिसाब से बनाएं, जिसमें 8 घंटे आपको काम करना है, 8 घंटे सोना है और 8 घंटे आपको अपने फैमिली, फ्रेंड्स और खुद के लिए निकलना है. इससे एक बैलेंस लाइफ बनी रहती है और स्ट्रेस लेवल भी कम होता है.

सुबह के नाश्ते में इन बीजों का करें सेवन, स्वास्थ्य को मिलेंगे कई लाभ

सुबह का नाश्ता करना हम सभी के लिए जरूरी होता है क्योंकि यह पूरे दिन का सबसे जरूरी भोजन माना जाता है।ऐसे में सुबह के वक्त नाश्ते के रूप में सही और स्वस्थ डाइट को चुनना बहुत जरूरी है।इसके लिए आप अपनी डाइट में कई पोषक तत्वों से भरपूर बीजों को शामिल कर सकते हैं।आइये आज स्वास्थ्य टिप्स में ऐसे ही कुछ बीजों के बारे में जानते हैं।

चिया बीज

चिया बीज देखने में भले ही छोटे होते हैं, लेकिन सेहत पर इसका असर भरपूर होता है।इसमें डायटरी फाइबर, फैटी एसिड, प्रोटीन और एंटी–ऑक्सीडेंट जैसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं। इसका सेवन सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है।इसके लिए आप इन्हें सुबह के नाश्ते में दही, स्मूदी और दलिया में मिलाकर खा सकते हैं। यह सेहत के साथ–साथ त्वचा की देखभाल के लिए भी अच्छा है।यहां जानिए चिया बीज के अन्य फायदे।

अलसी के बीज

अलसी के बीज अल्फा–लिनोलेनिक एसिड से भरपूर होते हैं, जो हृदय के स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने में मदद करता है।इसके अलावा यह डायटरी फाइबर का एक उत्कृष्ट स्रोत है, जो पाचन क्रिया में सुधार और उच्च ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में भी मदद करता है।

आप अलसी के बीजों को पीस लें और फिर इसके पाउडर को कॉफी में मिलाकर पीये।अलसी के बीज के अलावा इसके तेल से भी लाभ मिलते हैं।

सूरजमुखी के बीज

सुबह के नाश्ते में आप सूरजमुखी के बीज को भी शामिल कर सकते हैं। यह आपके समग्र स्वास्थ्य के लिए अच्छा है।इसमें विटामिन–ई, एंटी–ऑक्सीडेंट, खनिज और मैग्नीशियम जैसे कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं, जो मांसपेशियों को मजबूत और तंत्रिका कार्यों में सुधार करते हैं।

आप इस बीज को दही में मिलाकर खा सकते हैं या फिर इसे एवोकाडो टोस्ट के ऊपर डालकर भी इसका सेवन कर सकते हैं।

अपनी जीवनशैली में करें ये छोटे बदलाव

कई बार हम छोटी–छोटी चीजें ये सोचकर नहीं करते हैं कि इससे कुछ नहीं होने वाला, लेकिन सच तो यह है कि छोटी–छोटी चीजें और बदलाव ही सबसे ज्यादा मायने रखती हैं।यही चीज हमारी जीवनशैली पर भी लागू होती है। इसका मतलब है कि स्वस्थ जीवनशैली के लिए जरूरी नहीं है कि आप एक बार में ही बड़े बदलाव करें।छोटे–छोटे बदलाव और अच्छी आदतें अपनाकर भी आप खराब जीवनशैली में सुधार कर सकते हैं।

ध्यान लगाएं

कई लोगों को सांस लेने के महत्व और इससे भावनाओं पर होने वाले प्रभाव के बारे में जानकारी नहीं होती।अक्सर लोग अपनी नौकरी, परिवार और दोस्तों के साथ अपने रिश्ते या पैसे की चिंता के कारण तनाव में रहते हैं।इससे बचाव के लिए अपनी आंखें बंद करें और 2 मिनट के लिए अपनी सांस पर ध्यान केंद्रित करें।इससे आप शांत और तनावमुक्त महसूस करेंगे।

धीरे–धीरे खाना चबाएं

आपने हमेशा सुना होगा कि खान–पान बहुत जरूरी है, लेकिन खाना खाने का तरीका भी बहुत मायने रखता है।अगर आप कई पोषक तत्वों से भरपूर व्यंजनों का सेवन करते हैं, लेकिन उन्हें ठीक से चबाकर नहीं खाते तो इससे आपको फायदे नहीं मिलेंगे।भोजन को अच्छे से चबाकर नहीं खाने से अपच और पेट में सूजन जैसी परेशानी हो सकती है।इनसे बचाव के लिए थोड़ा समय लें और खाना अच्छे से चबाकर खाएं।

टू–डू लिस्ट तैयार करें

अपने पूरे दिन के बारे में योजना बनाना एक अच्छी आदत है। इससे आपको पता रहेगा कि पूरे दिन में क्या–क्या चीजें करनी हैं।इससे सोचने में आपका समय बर्बाद नहीं होता है। पूरे दिन की टू–डू लिस्ट तैयार करते समय उन सभी कार्यों को शामिल करें, जो आपको रात तक पूरे करने हैं।अपनी लिस्ट में रचनात्मक और कुछ नया और बेहतर शामिल करने पर भी ध्यान दें ताकि आपकी उत्पादकता में वृद्धि हो सके।

कुछ हल्की एक्सरसाइज या शरीर को स्ट्रेच करें

स्वस्थ जीवनशैली के लिए जरूरी है कि आप सक्रिय महसूस करें और फिटनेस का ख्याल रखें।इसके लिए सुबह उठने के बाद हल्की एक्सरसाइज करना या फिर शरीर को स्ट्रेच करना एक अच्छा विकल्प है।इससे ब्लड सर्कुलेशन में सुधार, ऊर्जा के स्तर में वृद्धि और कैलोरी जलाने में मदद मिलती है।आप रोजाना घंटों तक वर्कआउट करने की बजाय कुछ समय तक ही एक्सरसाइज करें या फिर 10 मिनट तक घास पर नंगे पैर चल चल सकते हैं।

त्वचा को मॉइस्चराइज करें

त्वचा के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए रोजाना त्वचा की देखभाल करना जरूरी है।इसके लिए अपने चेहरे पर सीरम और मॉइस्चाइजर लगाएं। इसमें सिर्फ 2 मिनट का समय लगेगा, लेकिन इसका परिणाम समय के साथ बेहतर होता जाएगा।वैसे भी सर्दियों के मौसम में आपकी त्वचा को हमेशा हाइड्रेटेड रहना चाहिए, इसलिए मॉइस्चराइजिंग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा जरूर बनाएं।त्योहारों से पहले चेहरे पर चमक लाने के लिए ये नुस्खे अपनाएं।

पर्यावरण मित्रों ने उठाई मांग, दीपावली से पहले दिया जाएं वेतन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नगर निगम में कार्यरत पर्यावरण मित्रों ने दीपावली से पहले उन्हें वेतन देने की मांग की है। कहा कि नगर निगम को उनकी समस्या के निराकरण के लिए गंभीरता से कार्य करना चाहिए। यदि जल्द वेतन नहीं दिया गया तो वह कार्य बहिष्कार को मजबूर होंगे।

बुधवार को देवभूमि उत्तराखंड सफाई कर्मचारी संघ के बैनर तले कर्मचारी नगर निगम में एकत्रित हुए। संघ के अध्यक्ष नरेंद्र घाघट के नेतृत्व में कर्मचारियों ने अधिकारियों से दीपावली से पूर्व उन्हें वेतन उपलब्ध करवाने की मांग उठाई। कहा कि दीपावली का त्यौहार नजदीक है। अभी तक पर्यावरण मित्रों को वेतन नहीं दिया गया है।

अपनी समस्या को लेकर नगर निगम में एकत्रित हुए सफाई कर्मी

कहा कि पर्यावरण मित्रों को हर महीने की पांच तारीख तक वेतन मिल जाना चाहिए। लेकिन कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं मिलने से परेशान रहते हैं। जिससे उन्हें आर्थिक समस्याओं का भी सामना करना पड़ता है। कहा कि कर्मचारियों को दीपावली से पहले वेतन दिया जाय अन्यथा समस्त पर्यावरण मित्रों को कार्य बहिष्कार के लिए बाध्य होना पड़ेगा। कहा कि पर्यावरण मित्रों की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नगर निगम को पर्यावरण मित्रों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए उसका निराकरण करना चाहिए। इस मौके पर धीरज गौड़ियाल, शशि चैनवाल, वीरेंद्र सिंह ढिंगिया, महेंद्र घाघट, जितेंद्र गौड़ियाल, राकेश घाघट, रणजीत आदि मौजूद रहे।

सामूहिक विवाह 19 को

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भारत विकास परिषद की ओर से 19 नवंबर को कन्याओं का सामूहिक विवाह करवाया जाएगा। इसके लिए सदस्यों को जिम्मेदारी दी गई है।

जानकारी देते हुए कार्यक्रम संयोजक कैलाश चंद्र अग्रवाल ने बताया कि सामूहिक सरल कन्या विवाह तड़ियाल चौक स्थिति एक माल में स्थित वैंकट काल में होगा। जिसमें छः कन्याओं का विवाह करवाया जाएगा।

बताया कि परिषद् की ओर से सभी वर वधू को सभी जीवनो पयोगी वस्तुए भेंट की जायेगी। विवाह का खर्ची परिषद् स्वयं वहन करेगा। समारोह को संचालित करने हेतु कैलाश चन्द्र अग्रवाल को संयोजक व राजेंद्र जखमोला को सह संयोजक बनाया गया। अध्यक्ष सेवकराम मानुजा ने कहा कि सामूहिक कन्या विवाह सृष्टि के संवर्धन में महादान है।

खेल हमारे जीवन का आवश्यक हिस्सा

100 मीटर दौड़ में करन, अंतरा, हिमांशु ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : सनेह क्षेत्र के अन्तर्गत श्री गुरू राम राय पब्लिक स्कूल लालपानी में शरदकालीन खेल सप्ताह के दूसरे दिन विड्डिान्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। 100 मीटर दौड़ में करन गुसांई, अंतरा, हिमांशु ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

इस मौके पर प्रधानाचार्य श्रीमती अनुपमा शर्मा ने कहा कि खेल हमारे जीवन का आवश्यक हिस्सा है। स्वस्थ शरीर और दिमाग को विकसित करने के लिए खेल महत्वपूर्ण डूमिका निड्डाते हैं। खेल कई प्रकार के होते हैं, जो हमारे शारीरिक के साथ मानसिक विकास में मदद करते हैं।

लगातार पढ़ाई के दौरान कई बार तनाव की स्थिति होती है। ऐसे में खेल इस तनाव को दूर करने का बेहतर माध्यम है। जिस तरह दिमाग के सही विकास के लिए शिक्षा जरूरी है, उसी तरह शारीरिक विकास के लिए खेल महत्वपूर्ण हैं। शिक्षा के माध्यम से हम टीम ड्डावना नहीं सीख सकते, लेकिन खेल से यह संड्डाव है। बुधवार को 100 मीटर दौड़ बालक वर्ग सीनियर वर्ग में करन गुसांई, मयंक गुसांई, आयुष बिष्ट, बालिका वर्ग में अंतरा, प्रियांशी नेगी, सलोनी, जूनियर वर्ग में हिमांशु बिष्ट, अनुज पंथवाल, प्रियांशु नेगी ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। जबकि बालिका वर्ग 100 मीटर दौड़ में रमन हाउस का दबदबा रहा। प्री प्राइमरी वर्ग बुक रेस में नर्सरी कक्षा की चित्रा, अक्षत पुंडीर, रियांश रावत, प्री प्राइमरी वर्ग 100 मीटर रेस में एलकेजी के छात्र अक्षित चौहान, अनुराज सिंह, वंश, यूकेजी की छात्रा सुहाना, अनुष्का नेगी, अंतरा फ्रॉग रेस में क्रमशः पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। प्राइमरी वर्ग की स्पून रेस बालिका वर्ग में कक्षा एक की छात्रा अनुश्री ने प्रथम, शानवी ने द्वितीय, मेघना ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जबकि प्राइमरी बालक वर्ग में आर्यड्डट्ट सदन अव्वल रहा। इस अवसर पर श्रीमती ममता कैंथोला, मंजू गुसाईं, कल्पना रावत, राकेश नेगी, राजेश अंथवाल, नीरज कुकरेती, कविता जजेडी, मीना थलेडी, ज्योति केड़ियाल, पूनम तिवारी, मीनाक्षी थपलियाल, मालती पोखरियाल, गीता रावत, तुषार गुसाईं सहित विद्यालय के समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

रामलीला में सीता हरण व जटायु वध का किया शानदार मंचन

पौड़ी : रामलीला मैदान बुरासी के मंच पर चल रही रामलीला मंचन में कलाकारों ने शानदार अड्डिनय किया। रामलीला में सीता हरण व जटायु वध का बेहतरीन मंचन किया गया। लक्ष्मण सूर्पणखा की नाक काट देता है। वह अपने ड्डाई रावण को जाकर बताती है। रावण क्रोध में आकर सीता माता का हरण कर लेता है। इससे पहले रावण का मामा मारिच हिरण का रूप लेकर सीता के सामने से गुजरता है। सीता श्रीराम को हिरण लाने की जिद करती है। श्रीराम उसे लेने जंगल की ओर चले जाते हैं तड्डी रावण साधु का रूप धारण करके माता सीता का हरण कर लेता है। रास्ते में जटायु नाम का पक्षी रावण को रोकने की कोशिश करता है, लेकिन रावण उसका वध कर देता है। इस मौके पर रामलीला कमेटी अध्यक्ष बीरेंद्र सिंह, बालम सिंह, विजय राम खकरियाल, पंकज रोथान, बलवीर सिंह आदि शामिल रहे।

क्रास कंट्री दौड़ में सोनाली और शिवम ने बाजी मारी

आईएचएमएस ओलंपियाड खेल प्रतियोगिता का पांचवां दिन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : इंस्टिट्यूट ऑफ हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट एंड साइंसेज (आईएचएमएस) की ओर से आयोजित ओलंपियाड 2023 क्रीड़ा प्रतियोगिता के पांचवें दिन क्रास कंट्री, क्रिकेट बॉल थ्रो, गोला फेंक, चक्का फेंक, लंबी कूद, बैडमिंटन मिक्स डबल्स और दौड़ प्रितियोगिता का आयोजन किया गया।

बुधवार को बालभद्रपुर स्थित संस्थान परिसर में आयोजित क्रास कंट्री दौड़ के बालक वर्ग में शिवम ने प्रथम, कुणाल चौहान द्वितीय और आकाश नेगी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में सोनाली रावत ने प्रथम, नेहा रावत ने द्वितीय और आकांक्षी रावत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। क्रिकेट बॉल थ्रो बालिका वर्ग में शबनम ने पहला, दीक्षा ने दूसरा और संजीवनी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

आयोजित प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते खिलाड़ी

लंबी कूद बालिका वर्ग में कशिश, हिमानी, काजल, लंबी कूद बालक वर्ग में आयुष गुसाईं, मयंक रावत, अविनाश, गोला फेंक बालक वर्ग में नीरज नेगी, शिवम, ऋषि, चक्का फेंक बालक वर्ग में दिवाकर, ऋषि, आयुष नेगी ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। बैडमिंटन मिक्स डबल्स में अरूज, संजीवनी ने पहला, राजन, सुरभी ने दूसरा और ऋषि सोनाली की जोड़ी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। 100 मीटर दौड़ बालक वर्ग में मोहित नेगी ने प्रथम, अमित रावत ने द्वितीय और दीपांशु ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में खुशी चौहान पहले, दिशा दूसरे और हिमानी तीसरे स्थान पर रही।

रिले दौड़ के बालक वर्ग में प्रफुल्ल हाउस ने पहला, अर्जुन हाउस ने दूसरा और गंभीर हाउस ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में गोपाल, गंभीर और अर्जुन हाउस ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया।

निर्णायक की भूमिका अनुज नेगी, एसपी चमोली, गुरदीप सिंह, टेकचंद कुंवर और दिलबर सिंह रावत ने निभाई। इस अवसर पर संस्थान के एमडी बीएस नेगी, ईडी अजयराज नेगी, डायरेक्टर एकेडमिक डॉ. सुनील कुमार, प्रतियोगिता समन्वयक पंकज कुकरेती आदि मौजूद रहे।

100 मी. दौड़ में ज्योत्सना और अमन ने मारी बाजी

श्रीनगर गढ़वाल : युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग उत्तराखंड द्वारा प्रायोजित न्याय पंचायत स्तरीय दो दिवसीय खेल महाकुम्भ हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय इंटर कॉलेज देवलगढ़ में संपन्न हुई। दो आयु वर्गों में आयोजित इस खेल प्रतियोगिता में 15 ग्रामसभा के 83 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। राइंका देवलगढ़ के खेल मैदान में आयोजित अंडर-14 बालक वर्ग की गोला फेंक प्रतियोगिता में लक्की सिंह ने प्रथम, प्रियांशु देव ने द्वितीय, आयुष रौथाण ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में निशा ने प्रथम, बीरा ने द्वितीय और नेहा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अंडर-17 की बालिका वर्ग की 100 मी. दौड में ज्योत्सना ने प्रथम, दिव्या ने द्वितीय और शीतल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

सफाई कर्मियों का कार्य बहिष्कार स्थगित

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : डीएम कार्यालय के पास वाल्मीकि मूर्ति का निर्माण कार्य रोके जाने से नाराज उत्तरखंड स्वच्छकार कर्मचारी संघ का कार्य बहिष्कार स्थगित हो गया है। बुधवार को शहर में तीन दिन बाद पर्यावरण मित्रों ने कूड़ा उठाया। 10 नवंबर को डीएम के साथ इस संबंध में बैठक आयोजित की जाएगी। जिसके बाद संघ द्वारा आगे की रणनीति तय की जाएगी।

राज्य आंदोलनकारी बीरा भंडारी ने डीएम कार्यालय के पास वाल्मीकि मूर्ति स्थापित करने को लेकर आपत्ति जताई थी। जिस पर जिला प्रशासन ने मूर्ति निर्माण कार्य पर रोक लगा दी थी। उन्होंने डीएम को ज्ञापन देकर यहां पर राज्य आंदोलनकारियों का कार्यालय या संग्रहालय बनाने की मांग की थी। वहीं, उत्तराखंड स्वच्छकार कर्मचारी संघ ने यहां पर वाल्मीकि मूर्ति का कार्य रोके जाने पर कार्य बहिष्कार शुरू कर दिया था। कुछ दिनों पहले डीएम कार्यालय के पास वाल्मीकि मूर्ति स्थापित करने को लेकर भूमि पूजन किया गया था। उत्तरखंड स्वच्छकार कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष प्रवीण कुमार घाघट ने बताया कि यहां पर पूर्व डीएम धीराज सिंह ने वाल्मीकि की मूर्ति स्थापित करने के आदेश दिए थे। जिस पर कुछ दिनों पहले कार्य भी शुरू हो चुका था लेकिन बिना वजह के कुछ लोगों द्वारा यहां पर आपत्ति की जा रही है। कहा कि वाल्मीकि मूर्ति का निर्माण कार्य बंद होने पर कार्य बहिष्कार शुरू किया गया था। बताया कि 10 नवंबर को डीएम ने इस सबंध में बैठक बुलाई है। जिस पर फिलहाल कार्य बहिष्कार स्थगित कर दिया गया है। बैठक के बाद आगे की रणनीति तय की जाएगी।

चिकित्सा के क्षेत्र में क्रांतिकारी खोज है रेडियोग्राफी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : श्री गुरु राम राय पैरामेडिकल कॉलेज में विश्व रेडियोग्राफी दिवस मनाया गया। वक्ताओं ने विद्यार्थियों को चिकित्सा के क्षेत्र में रेडियोग्राफी के महत्व के बारे में बताया। कहा कि रेडियोग्राफी की जानकारी के बिना चिकित्सा का ज्ञान अधूरा है।

आयोजित कार्यक्रम में असिस्टेंट प्रोफेसर ऋतु उनियाल ने विद्यार्थियों को रेडियोग्राफी के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कहा कि एक्सरे की खोज मेडिकल के क्षेत्र के लिए वरदान है। मानव शरीर में किसी भी प्रकार के गंभीर रोग के निदान के लिए सबसे पहले एक्सरे की मदद ली जाती है। उनके द्वारा कहा गया कि आज का समय विज्ञान का समय है और डाक्टर बिना रेडियोलाजिस्ट के अधूरा है। उन्होंने छात्रों को एक्सरे, अल्ट्रासाउंड, सीटी स्कैन व एमआरआई से निकलने वाली रेडिएशन की भी विस्तार से जानकारी दी।

कहा कि चिकित्सक के क्षेत्र से जुड़ने वाले प्रत्येक छात्रों को इसकी बेहतर जानकारी होनी अति आवश्यक है। प्राचार्य डा. गिरीश उनियाल ने कहा कि रेडियोलोजी के माध्यम से बीमारी को पकड़ने में आसानी होती है, जिससे मरीज पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। कॉलेज के छात्र करण प्रताप व सिद्धार्थ सुंद्रियाल ने बताया कि एक्सरे में पाजिट्रान पाटिकल एक नई तकनीक है, जिसमें कैंसर के मरीजों का इलाज हो सकता है। इस अवसर पर प्रणव राज बमराड़ा, डा. शिवि शर्मा, डा. कुणाल बिजल्वाण, सृष्टि पटवाल और अमन सहित कालेज का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

महिला समूहों के हाथों से बने उत्पादों की लगी प्रदर्शनी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : दीनदयाल अंत्योदय योजना व राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत मालवीय उद्यान में महिला समूहों के हाथों से बने उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई है। प्रदर्शनी देखने के साथ ही उत्पादों की खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ी हुई थी।

आयोजित प्रदर्शनी का शुभारंभ ग्रामीण आजीविका परियोजना के निदेशक संजीव कुमार राय, नगर आयुक्त वैभव गुप्ता व विधायक प्रतिनिधि अनिल बहुगुणा ने किया। वक्ताओं ने कहा कि प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ना है। एक दिवसीय प्रदर्शनी में अपराजिता, आराधना, बुरांस, ज्योति, लक्ष्मी स्वयं सहायता सहित 22 महिला समूहों ने प्रदर्शनी में प्रतिभाग किया। प्रदर्शनी में महिलाओं ने अपने हाथों से निर्मित जूट के बैग, अचार, मोमबत्ती सहित अन्य उत्पादों के स्टाल लगाए हुए थे। देर शाम तक स्टॉल में लोगों की खूब भीड़ उमड़ी हुई थी। समूह की महिलाओं ने आम जन से पालीथिन का उपयोग न करने की भी अपील की। कहा कि सामन रखने के लिए हमें कपड़े से निर्मित थैले का उपयोग करना चाहिए।

क्रॉस कंट्री दौड़ में धैर्य, अनिकेत, पूजा, खुशी, विजित, राधा ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि

पौड़ी : राज्य स्थापना दिवस को लेकर बुधवार को पौड़ी में खेल विभाग और जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में क्रास कंट्री दौड़ का आयोजन किया गया। राज्य स्थापना दिवस 09 नवम्बर की तैयारियों को लेकर मुख्य विकास अधिकारी अपूर्वा पाण्डेय ने संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की।

उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल, बैठने की व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाओं को पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। मुख्य विकास अधिकारी ने नगर पालिका ईओ को शहीद स्मारक एजेंसी चौक सहित कार्यक्रम स्थल व शहर में साफ-सफाई करवाने के निर्देश दिये हैं। साथ ही उन्होंने संस्कृति विभाग को सांस्कृतिक कार्यक्रम, शिक्षा विभाग को रैली का आयोजन, स्वास्थ्य विभाग को बूस्टर डोज, बाल विकास विभाग को किशोरी किट व मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट का वितरण करने के निर्देश दिए। दौड़ कंडोलिया से देवप्रयाग मार्ग तक विभिन्न वर्गों आयोजित इस दौड़ में 34 बालक व 8 बालिकाओं ने हिस्सा लिया। पहले 5 विजेताओं को खेल विभाग की ओर से पुरस्कार दिए गए। अंडर-14 बालक वर्ग में धैर्य ठाकुर, आरुष, आशुतोष ने क्रमशः पहला, दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में पूजा और आंचल ने बाजी मारी। अंडर-17 वर्ग में अनिकेत, सक्षम नेगी व चिराग भी पहले, दूसरे और तीसरे स्थानों पर रहे। जबकि बालिका वर्ग में खुशी ने पहले और चांदनी दूसरे स्थान पर आई। ओपन वर्ग में विजित, आदित्य व विशाल और बालिका वर्ग में राधा, संध्या व मीनाक्षी क्रमशः पहले, दूसरे और तीसरे स्थानों पर रहे। इस मौके पर सुरेन्द्र सिंह शाह, भगवती प्रसाद गौड़, जिला खेल समन्वयक योगम्बर नेगी, प्रियंका बिजल्वाण, कमलेश कुमार महता, चन्द्रमोहन उनियाल, सुनील रावत, विनोद कुकरेती, आशीष कुमार, योगेश कुमार आदि मौजूद रहे।

बीरोंखाल क्षेत्र में चार दिन से पेयजल किल्लत, लोग परेशान

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : विकासखंड बीरोंखाल के 15 ग्राम सभाओं को पेयजल मुहिया कराने वाली डुमैला मल्ला-बीरोंखाल पंपिंग पेयजल योजना का चार दिन पूर्व पाइप टूट गया।

जिस कारण क्षेत्र में पेयजल की किल्लत बनी हुई है। लोग दस किमी. दूर मैठाणाघाट, रिखाड़, स्यूंसी से जीप-टैक्सियों से पानी लाने को मजबूर है।

दिव्यांग सेवा केंद्र का हुआ शुभारंभ

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : समदृष्टि क्षमता विकास एवम अनुसंधान मंडल (सक्षम) की कोटद्वार घराट रोड में दिव्यांग सेवा केंद्र का शुभारंभ किया गया। इस दौरान सदस्यों ने दिव्यांगों की बेहतर सेवा का संकल्प लिया।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के जिला संघ चालक विष्ण अग्रवाल ने केंद्र का शुभारंभ किया। उन्होंने दिव्यांगों की सेवा के लिए दिए जा रहे सक्षम के कार्यों की प्रशंसा की। भाजपा नेता व मंडी समिति के अध्यक्ष सुमन कोटनाला ने कहा कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को दिव्यांगों की सेवा के लिए आगे आनाचा चाहिए। सक्षम के प्रांत अध्यक्ष कपिल रतूड़ी ने सक्षम सेवा केंद्र का लक्ष्य एवम त्रिया कलापों पर विस्तार पूर्वक अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। जिसमें दिव्यांगो का चिन्हीकरण, प्रमाणीकरण, यूडीआईडी कार्ड बनाने, सरकारी पेंशन, रोजगार एवम आत्मनिर्भरता प्रमुख होगा। इस अवसर पर सक्षम कोटद्वार इकाई के अध्यक्ष योगंबर रावत, उपाध्यक्ष सुदीप बैंठियाल, सचिव विपुल उनियाल, रक्तदान संस्था आधारशिला के संस्थापक दलजीत सिंह, गोविंद डंडरियाल, रविंद्र डोभाल, सक्षम महिला प्रमुख सिमरन बिष्ट, पिंकी खंतवाल, आरती खंतवाल, मधु नेगी, रिनी लखेड़ा, हेमा जदली आदि मौजूद रहे।

कार्यालय शुभारंभ कार्यक्रम में मौजूद सदस्य

मुकेश बड़थ्वाल बनें संगठन के प्रभागीय अध्यक्ष

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : उत्तराखंड वन विकास निगम कर्मचारी संगठन गढ़वाल क्षेत्र के अंतर्गत विपणन प्रभाग कोटद्वार में प्रभागीय कार्यकारिणी के चुनाव निर्विरोध संपन्न हो गये हैं। जिसमें मुकेश बड़थ्वाल को प्रभागीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है।

कार्यकारिणी में मुकेश बड़थ्वाल प्रभागीय अध्यक्ष, अमर सिंह प्रभागीय उपाध्यक्ष, हरीश चंद्र नौडियाल प्रभागीय मंत्री, अनीता रावत प्रभागीय उपाध्यक्ष, फूल सिंह प्रभागीय संयुक्त मंत्री, गोविंद सिंह नेगी प्रभागीय संगठन मंत्री और सुमन सिंह सजवाण प्रभागीय प्रचार मंत्री चुने गये। चुनाव अधिकारी सत्यपाल सिंह और पूरण सिंह राठौर की देखेरख में चुनाव संपन्न किए गए।

खो–खो में नैनीताल की टीम रही चैंपियन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : राजकीय स्टेडियम में आयोजित चार दिवसीय राज्य स्तरीय विद्यालयी खो–खो प्रतियोगिता का समापन हो गया है। प्रतियोगिता में नैनीताल की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चैंपियनशिप अपने नाम की।

अंतिम दिवस पर आयोजित अंडर–19 बालिका वर्ग फाइनल में देहरादून पहले व नैनीताल दूसरे स्थान पर रहा। बालक वर्ग में नैनीताल पहले व ऊधम सिंह नगर दूसरे स्थान पर रहा। अंडर–17 बालक वर्ग में नैनीताल की टीम पहले और बागेश्वर की टीम

ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में नैनीताल की टीम ने सर्वाधिक अंक प्राप्त कर चैपिंयनशिप पर कब्जा जमाया। दूसरे स्थान पर देहरादून और मेजबान पौड़ी की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को नगर निगम मेयर हेमलता नेगी ने पुरस्कृत किया। इस दौरान खंड शिक्षा अधिकारी दुगड्डा अयाजुद्दीन, रविंद्र सिंह रावत, सुषमा दास, लखपत राज कुकशाल, विजेंद्र नेगी, प्रभाकर रावत, मनोज नेगी, प्रकाश आर्य, संजय सिंह, अजय कुमार और गिरीश चंद्र सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

एसबीआई कर रहा महिला सशक्तिकरण की मजबूती के लिए काम

पौड़ी (सं): एसबीआई महिला क्लब व एसबीआई के संयुक्त तत्वावधान में परमार्थ निकेतन में आयोजित सामाजिक उत्तरदायित्व गतिविधि कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिला क्लब और बैंक द्वारा सामाजिक क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में बैंक महिला क्लब अध्यक्ष अनीता खारा ने शिक्षण गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए प्रेम सेवा मिशन न्यास को 15 कंप्यूटर भी दिए। कार्यक्रम में परमार्थ निकेतन के मुखिया स्वामी चिदानंद सरस्वती महाराज ने सबसे बड़े बैंक के सामाजिक प्रयासों की सराहना की। कहा कि बैंक महिला सशक्तिकरण की मजबूती के लिए भी काम कर रहा है, जो कि जरूरी है। एसबीआई अध्यक्ष दिनेश खारा ने कहा कि बैंक समय-समय पर अपने सामाजिक उतरदायित्व में सहयोग कर रहा है। दिव्य प्रेम सेवा मिशन न्यास के संस्थापक आशीष गौतम ने कहा कि समाज कल्याण हेतु ऐसे सहयोग जरूरी है ताकि इस क्षेत्र में भी अग्रणी रहा जा सके।

कार्यालय :- नगर निगम कण्वनगरी कोटद्वार (पौड़ी गढ़वाल)

पत्रांक :- 2878/कर अनु0/भव0ना0/2023-24 दिनांकः- 30.09.2023

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्न व्यक्ति/व्यक्तियों द्वारा नगर निगम कोटद्वार के भवन कर अभिलेखों पूर्व भवन स्वामी के स्थान पर अपना नाम दर्ज करने हेतु स्वामित्व प्रमाण पत्रों एवं शपथ पत्र आदि के आधार पर आवेदन किया गया है।

अतः नगर निगम अधिनियम-1959 की धारा 213(ख) के अन्तर्गत समस्त प्रभावित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि जिस किसी को निम्न नामान्तरण/नामान्तरणों पर आपत्ति हो वह मय साक्ष्यों को उपरोक्त सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन की तिथि से 30 दिवस भीतर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। मियाद समाप्त होने पर उपलब्ध अभिलेखिया साक्ष्यों के आधार पर सम्पत्ति के नामान्तरण हेतु निर्णय पारित कर लिये जायेंगें।

क्र0 सं0	सम्पत्ति संख्या एवं मौहल्ले/वार्ड का नाम	भवन कर अभिलेखों में दर्ज नाम (नाम जो निरस्त होना है)	आवेदक का नाम व पता (नाम जो दर्ज होना है)	सम्पत्ति का स्वामित्व प्राप्त करने का आधार
1	2	3	4	5
1	519 वार्ड नं0 14 इन्द्रानगर आमपडाव कोटद्वार	स्व0 श्री श्याम सिंह पुत्र उत्तम सिंह	श्री महेशचन्द्र, रमेशचन्द्र सिंह एवं श्री दिनेश सिंह	माता-पिता का मृत्यु प्रमाण पत्र, उत्तरजीवी

प्रमाण पत्र एवं शपथ पत्र (1429/51)

सहायक नगर आयुक्त नगर निगम कण्वनगरी कोटद्वार।

माननीय प्रधानमंत्री जी ने 21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखण्ड का दशक कहा है। हम प्रधानमंत्री जी के विजन के अनुरूप राज्य को हर क्षेत्र में आदर्श राज्य बनाने के लिये विकल्प रहित संकल्प के साथ काम कर रहे हैं।

पुष्कर सिंह धामी मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

हार्दिक शुभकामनाएं

21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास। आज उत्तराखण्ड, इन दोनों ही स्तंभों को लगातार मजबूत कर रहा है। ये दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा

नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री

केदारनाथ बदरीनाथ धाम में 1300 करोड़ रूपये के पुनर्निर्माण/पुनर्विकास कार्य, चारधाम यात्रा के दौरान रिकॉर्ड 55 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किये दर्शन।

मानस खण्ड मंदिर माला मिशन।

4000 से अधिक होम-स्टे विकसित, 16 ईको टूरिज्म डेस्टिनेशन का विकास।

मुख्यमंत्री सशक्त बहना उत्सव योजना के तहत महिला समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों को प्रोत्साहन।

पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार द्वारा उत्तराखण्ड को बेस्ट एडवेंचर टूरिज्म डेस्टिनेशन का अवार्ड।

रेल कनेक्टिविटी : ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना, वन्दे भारत एक्सप्रेस ट्रेन, टनकपुर बागेश्वर रेल लाईन।

रोड कनेक्टिविटी : चारधाम ऑल वेदर रोड, दिल्ली-देहरादून एलिवेटेड रोड व अन्य राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास।

रोप-वे कनेक्टिविटी : पर्वतमाला परियोजना, गौरीकुण्ड-केदारनाथ रोप-वे कनेक्टिविटी, गोविन्द घाट - हेमकुण्ड, सुरकण्डा देवी रोप-वे।

जमरानी बांध परियोजना को केन्द्रीय कैबिनेट की आर्थिक मामलों की कमेटी ने दी मंजूरी।

ग्लोबल इन्वेस्टर समिट 2023 के लिये अब तक 1.24 लाख करोड़ रूपये से अधिक के एमओयू।

एस.जी.एस.टी. संग्रह में 33 प्रतिशत वृद्धि, राज्य की प्रति व्यक्ति आय में 12 प्रतिशत से अधिक वृद्धि।

राजकीय विद्यालयों के साथ राजकीय सहायता प्राप्त (अशासकीय) विद्यालयों में कक्षा 1 से 12 तक के छात्र-छात्राओं को निशुल्क पाठ्य पुस्तकें।

- देश का सबसे कठोर नकल विरोधी कानून।
- लखपति दीदी योजना के तहत 1.25 लाख महिलाओं को लखपति बनाने का लक्ष्य।
- पलायन रोकने तथा रिवर्स पलायन को बढ़ावा देने हेतु "मुख्यमंत्री सीमान्त क्षेत्र विकास योजना"।
- मुख्यमंत्री महालक्ष्मी योजना व मुख्यमंत्री आंचल अमृत योजना।
- मिशन दालचीनी, मिशन तिमरु, एरोमा पार्क व एरोमा वैली।
- राज्य में शहीद सैनिकों के परिवारों के एक सदस्य को रोजगार तथा विशिष्ट सेवा मेडल अवार्ड राशि में बढ़ोत्तरी।
- राज्य की महिलाओं को सरकारी नौकरी में 30 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण।
- दीनदयाल उपाध्याय सहकारिता किसान कल्याण योजना के अन्तर्गत किसानों को 3 लाख और स्वयं सहायता समूहों को 5 लाख तक की धनराशि का ब्याज रहित ऋण।
- स्टेट मिलेट मिशन में स्थानीय कृषकों से झंगोरा, मंडुवा, सोयाबीन एवं चौलाई का उचित मूल्य पर क्रय।
- हॉर्टिकल्चर को बढ़ावा देने के लिए 50 हजार पॉलीहाउस का बजट प्रावधान।
- राज्य के युवाओं के लिए "विदेश रोजगार प्रकोष्ठ का गठन"।
- समान नागरिक संहिता के लिये प्रभावी पहल।
- अटल आयुष्मान योजना में 5 लाख रूपये तक का निशुल्क इलाज।
- राज्य में निर्धन परिवारों को वर्ष में 3 सिलेन्डर निःशुल्क रीफिल की सुविधा।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी www.uttarainformation.gov.in uttarakhandDIPR DIPR_UK uttarakhand DIPR

विज्ञान महोत्सव में बाल वैज्ञानिकों ने दिखाई प्रतिभा

श्रीनगर गढ़वाल : राजकीय इंटर कॉलेज कीर्तिनगर में तीन दिवसीय जिला स्तरीय विज्ञान महोत्सव का शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता में नौ विकासखंडों के 250 से अधिक स्कूलों ने प्रतिभाग किया।

इस मौके पर छात्र–छात्राओं ने अपनी वैज्ञानिक सोच का परिचय दिया। बुधवार को राइंका कीर्तिनगर में आयोजित जिला स्तरीय विज्ञान महोत्सव का शुभारंभ देवप्रयाग विधानसभा के विधायक विनोद कंडारी ने किया। इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि विधायक विनोद कंडारी ने कहा कि छात्रों को अपने अंदर वैज्ञानिक सोच विकसित करनी होगी। जो भावी अनुसंधान के लिए अति आवश्यक है। कहा कि आज का युग विज्ञान का है और विज्ञान को टेक्नोलॉजी की जननी माना जाता है। उससे भी आगे कुछ है तो वह है जिज्ञासा। जिज्ञासा से ही इनोवेशन होते हैं।

अनुसंधान होते हैं। विज्ञान के बलबूते ही आज भारत नई–नई चुनौतियों को पूर्ण करने में लगा है। इस मौके पर देवप्रयाग विधायक विनोद कंडारी ने छात्र–छात्राओं द्वारा लगाये गयी विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस मौके पर छात्रों के वैज्ञानिक सोच उत्पन्न कर बनाये गये प्रोजेक्टों को सराहा गया।

इस अवसर पर मुख्य शिक्षा अधिकारी एसपी सेमवाल, खण्ड शिक्षा अधिकारी कीर्तिनगर एसके पुरोहित, राइंका कीर्तिनगर के प्रधानाचार्य वाईएस नेगी, मीना सेमवाल, डा. विजय मोहन गैरोला, दिलबर रावत, नरेंद्र तिवाड़ी, शिव प्रसाद भट्ट, राजेश सेमवाल, महेंद्र कैठेत, संजय बिष्ट सहित आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

राजस्व और खान विभाग बड़ी कार्यवाही, 6 डंपर और 1 जेसीबी सीज

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : राजस्व और खान विभाग ने सतपुली में मंगलवार देर रात को अवैध खनन के खिलाफ बड़ी कार्यवाही की है। सतपुली के निकट बड़खोलू सैंण में मंगलवार की देर रात जिला खनन अधिकारी रवि नेगी ने छापा मारकर अवैध खनन कर रहे 6 डंपर और 1 जेसीबी मशीन को सीज किया है। सभी वाहनों पर 2 लाख तथा जेसीबी0 पर भी 2 लाख रूपये का अर्थदंड लगाते हुई कार्यवाही की रिपोर्ट जिलाधिकारी पौड़ी को भेज दी गई है। जिला खान अधिकारी रवि नेगी ने बताया कि प्रशासन अवैध खनन को लेकर पूरी तरह से मुस्तैद है, जिलाधिकारी के निर्देशन में किसी भी दशा में अवैध खनन बर्दाश्त नहीं किया जायेगा।

इन दिनों सरकारी पट्टे पर भी खनन बंद किया गया है। इसके बावजूद प्रशासन की नाक के नीचे सतपुली क्षेत्र में अवैध खनन खुलेआम हो रहा था।

अवैध खनन के डंपर पुलिस चेक पोस्ट और तहसील परिसर से होकर ही स्टोन क्रशरों तक पहुंचते हैं। इसके बावजूद उन पर कोई कार्यवाही न होना मिलीभगत का अंदेशा माना जा सकता है। तहसील सतपुली क्षेत्र में अवैध खनन की सूचना पर बीते मंगलवार देर जिला खनन अधिकारी रवि नेगी ने बड़खोलू सैंण के निकट नयार नदी किनारे चल रहे अवैध खनन पर मौके पर जाकर छापा मारा इस दौरान अवैध खनन कर रहे एक जेसीबी और 6 डंपरों को सीज किया।

जिला खनन अधिकारी रवि नेगी ने बताया कि अवैध खनन की सूचना मिलने पर बड़खोलू सैंण के निकट नयार किनारे अवैध खनन करते दिखे एक जेसीबी मशीन और 6 डंपरों को सीज किया गया है और अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

इसके साथ ही कहा कि क्षेत्र में अवैध खनन पर शिकंजा कसा जायेगा और अवैध खनन पाए जाने पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। इस मौके पर खनिज मोहरिर शिवा, तहसीलदार सुधा डोभाल आदि मौजूद रहे।

जयन्त

संस्थापक

स्व.नरेन्द्र उनियाल

प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी

नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित

—सम्पादक

नागेन्द्र उनियाल

आर.एन.आई. 35469/79

फोन/फैक्स 01382–222383

मो. 8445596074, 9412081969

e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com